कल सुपने च होई मुलाक़ात वे

कल सुपने च होई मुलाक़ात वे,
मेरे वस च नही जज्बात वे,

ओ तेरियां ही गल्ला करदी सी वे मैं करदी करदी सो गई,
सुध बुध मेनू भूल गई वे श्यामा याद तेरी दे विच सो गई,
कल सुपने च होई मुलाक़ात वे,

वृन्धावन मेरी झोपडी श्यामा आसे पासे संत वे,
रूप तेरे नु देख के वे श्यामा भूल गई सारे ग्रंथ,
राती सुपने च होई मुलाक़ात वे,

हथ तेरे दे विच बांसुरी वे श्यामा गल वेजंती माला वे,
मोर मुकट तो जान गई श्यामा तू ही बंसी वाला वे,
राती सुपने च होई मुलाक़ात वे,

यमुना ठा ठा मारदी वे श्यामा सुंदर बंसी दी तान वे,
दो ही बूंदा पितियाँ वे श्यामा खुल गए मेरे नैन वे,
कल सुपने च होई मुलाक़ात वे,

Source:
https://www.bharattemples.com/kal-supne-ch-hoi-mulakaat-ve-mere-vas-ch-nhi-jajbaat-ve/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw